***Date*:** 17-11-20
***Publication*:** Sanmarg
***Edition*:** Asansol

कोयला ढुलाई व्यवस्था को उन्नत करेगी कोल इंडिया

नयी दिल्ली: कोयला खनन क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनी कोल इंडिया लि. ने सड़क के माध्यम से कोयले की ढुलाई की व्यवस्था को बदलकर अपनी सभी 35 परियोजनाओं के लिए मशीनीकृत परिवहन सुविधा शुरु करने के लिए 20 सितंबर तक निविदा जारी कर दी थी। कोल इंडिया ने अपनी खदानों से पाइप्ड कन्वेयर बेल्ड के जरिये कोयले की ढुलाई करने के लिए निविदा जारी की है। पाइप्ड कन्वेयर बेल्ड कोयला परिवहन की एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें कोयला ढंका रहता है और उसकी धूल वातावरण में नहीं उड़ती। इससे पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है।

कोयले की तेज ढुलाई के लिए कोल हैंडलिंग संयंत्र और भंडार भी सीआईएल की छह अनुषंगी कंपनियों में शुरु किये जायेंगे। कोल हैंडलिंग संयंत्र और भंडार से कोयले की क्रशिंग और उसे खास आकार में करने का काम होता है। इससे तीव, कंप्यूटराइज्ड लोडिंग भी होती है। मशीन से लोडिंग होने के कारण कोयले का लदान उचित मात्रा में होगा तथा इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि बेहतर गुणवत्ता के कोयले का लदान ही हो। इस परियोजना को वित्त वर्ष 2024 तक पूरा किया जाना है। इसकी अनुमानित लागत 12,500 करोड़ रुपये है।

***Date*:** 17-11-20
***Publication*:** Business Standard
***Edition*:** Ahmedabad

CIL issues 35 tenders worth ₹12,500 cr for coal transport

SHREYA JAI
New Delhi, 16 November

State-owned miner Coal India (CIL) on Monday said it has issued 35 tenders for transportation of coal from its mine pitheads to despatch points at an estimated cost of ₹12,500 crore.

The handling capacity of these projects will be 406 million tonnes per year (mtpa), with each having production capacity of 4 mtpa and above. The expenditure would be part of the company's capital expenditure, a CIL statement said. As part of the tenders, coal handling plants and silos for rapid loading system would also be commissioned across six of the subsidiaries, CIL said. These will have additional facilities for crushing and sizing of coal and speedy computerised loading.

"Another upside is that with the reduced manual intervention, precise pre-weighed quantity of coal can be loaded. It also spurs loading of better-quality coal.

"Under mechanised transportation, coal would be moved through the piped conveyor belt mode, promoting cleaner environment. With the reduced movement of coal-laden trucks on roads, it brings down dust pollution. CIL is undertaking a study through the National Environmental Engineering Institute (NEERI), Kolkata, particularly for assessing and quantifying benefits of environmental aspects of these projects," said the statement.

Currently, CIL spends around ₹3,400 crore on coal transportation. This cost will come down with the introduction of mechanised coal transport in the first mile.

***Date*:** 22-11-20
***Publication*:** Morning India
***Edition*:** Ranchi

CIL CHIEF'S FIAT TO BOOST COAL OUTPUT

MI NEWS SERVICE

RANCHI: Chairman-cum-Managing Director, Coal India Ltd(CIL) Pramod Agrawal held a performance review meeting regarding the coal production and other related issues with officials of Central Coalfields Ltd (CCL) at CCL Headquarters, Darbhanga House, Ranchi today. CMD P M Prasad, Director (Technical/Oprs) V K Srivastava, Director (Project & Planning) Bhola Singh, Director (Finance) N K Agarwal, GM/TS to Chairman(CIL) M K Singh, GM/TS to CMD(CCL) M V Rajimwale, GMs/HODs from headquarters were present during the meeting. The protocol of Covid-19 issued by the government was also adhered to during the meeting.

***Date*:** 22-11-20
***Publication*:** Hari Bhoomi
***Edition*:** Raigarh
***Entity*:** Coal India Limited

कोलइंडिया 35 खनन परियोजनाओं में करेगा सिलोस की स्थापना, टेंडर जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कोल इंडिया लिमिटेड ने 12 हजार 500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से तेजी से लोडिंग के लिए

खास बात

- कोयले का पाइप लाइन कन्वेयर बेल्ट मोड के माध्यम से होगा परिवहन

शुष्क ईंधन के यंत्रीकृत परिवहन और कोयला हैंडलिंग संयंत्रों और सिलोस की स्थापना के लिए पहचानी गई सभी 35 खनन परियोजनाओं के लिए निविदा जारी की है। मशीनीकृत परिवहन के तहत, कोयले को पाइप लाइन कन्वेयर बेल्ट मोड के माध्यम से स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए स्थानांतरित किया जाएगा।

सड़कों पर कोयले से भरे ट्रकों की आवाजाही कम होने से यह खदानों की निकटता में रहने वाले लोगों के आराम से धूल प्रदूषण को कम करता है। कुशल और पर्यावरण अनुकूल मैकेनाइज्ड कोयला परिवहन के लिए कोल इंडिया की पिच अपनी पहली मील कनेक्टिविटी में, सड़क आंदोलन की जगह, कंपनी को सफलतापूर्वक सितंबर 2020 योजना के अनुसार द्वारा सभी 35 परियोजनाओं, चरण -1 के लिए निविदाएं जारी करने के साथ प्राप्त की गति, पीएसयू एक बयान में कहा। पहले मील कनेक्टिविटी संदर्भित करता है सीआईएल के पिथड्स से कोयले के परिवहन को निराशाजनक बिंदुओं तक ले जाना। कोलइंडिया राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग संस्थान कोलकाता के माध्यम से एक अध्ययन कर रहा है, विशेष रूप से इन परियोजनाओं के पर्यावरणीय पहलुओं के लाभों का आकलन करने और उनकी मात्रा निर्धारित करने के लिए। सीएचपी और साइलो में कोयले को कुचलने और आकार देने और त्वरित कम्प्यूटरीकृत लोडिंग जैसे लाभ होंगे। एक और उल्टा यह है कि कम मैनुअल हस्तक्षेप के साथ, कोयले की सटीक पूर्व-तौला मात्रा लोड की जा सकती है। यह बेहतर गुणवत्ता वाले कोयले की लोडिंग भी करता है। बेहतर लोडिंग समय इस तरह से वैगन आइडलिंग को कम करेगा जिससे उनकी उपलब्धता बढ़ेगी। सड़क नेटवर्क पर लोड को कम करने से डीजल पर बचत के साथ-साथ सकारात्मक पर्यावरणीय विचारों से भी प्रेरणा मिलती है।

वर्ष 2024 तक 406 मिलियन टन होगी क्षमता

कोल हैंडलिंग प्लांट्स (सीएचपी) और सिल्ट रैपिड लोडिंग सिस्टम के लिए निविदाओं के तहत सीआईएल की छह सहायक कंपनियों में से एक में कमीशन किया जाएगा। 12 हजार 500 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश पर वित्तीय वर्ष 2024 तक आने के लिए, 35 परियोजनाओं की कोयला हैंडलिंग क्षमता 406 मिलियन टन प्रति वर्ष होगी। इन खनन परियोजनाओं में से प्रत्येक की उत्पादन क्षमता चार मिलियन टन प्रति वर्ष और उससे अधिक है।

***Date*:** 22-11-20
***Publication*:** Prabhat Khabar
***Edition*:** Ranchi

कोल इंडिया चेयरमैन ने मगध-आम्रपाली का दौरा किया

रांची. कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल दो दिनी दौरे पर झारखंड आये हुए थे. इस दौरान उन्होंने सीसीएल के मगध-आम्रपाली, चंद्रगुप्त और संघमित्रा खदान का दौरा किया. मगध और आम्रपाली में हो रहे उत्पादन को बढ़ाने और चंद्रगुप्त और संघमित्रा के संचालन की जानकारी ली. कोयला उत्पादन, प्रेषण, पर्यावरण स्वीकृति, भूमि संबंधी मुद्दों की जानकारी ली. शनिवार को मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में श्री अग्रवाल को पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कंपनी के कोयला उत्पादन, एमडीओ (माइन डेवलपर एंड ऑपरेटर) मोड संबंधित प्रोजेक्ट, भूमि अधिग्रहण, नयी वाशरी आदि विषय की जानकारी दी. चेयरमैन ने कंपनी के तय उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने के लिए काम करने को कहा. सीएमडी श्री प्रसाद ने कहा कि सीसीएल अपने लक्ष्य की ओर सतत अग्रसर है. उन्होंने सभी क्षेत्रों के कोयला उत्पादन एवं अन्य बिंदुओं से कोल इंडिया चेयरमैन को अवगत कराया. श्री प्रसाद ने कहा कि सरकार, स्थानीय लोगों एवं सभी स्टेक होल्डर्स का सहयोग कंपनी को मिलता आ रहा है. इस मौके पर निदेशक तकनीकी संचालन वीके श्रीवास्तव, निदेशक वित्त एनके अग्रवाल, निदेशक योजना भोला सिंह, चेयरमैन के सचिव एमके सिंह, सीएमडी के तकनीकी सचिव एमवी रजिमाला भी मौजूद थे. इस अवसर पर सीएमडी पीएम प्रसाद सहित निदेशक, महाप्रबंधक (आम्रपाली-चंद्रगुप्त) एके चौबे, महाप्रबंधक (मगध-संघमित्रा) केके सिन्हा आदि मौजूद थे.

खदानों की जानकारी लेते कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल.

***Date*:** 22-11-20
***Publication*:** Khabar Mantra
***Edition*:** Ranchi

उत्पादन लक्ष्य पाने में सहयोग करें सीसीएल अधिकारी : पी अग्रवाल

कोल इंडिया के अध्यक्ष ने सीसीएल के कार्यों की समीक्षा की

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कोल इंडिया के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल ने अपने रांची प्रवास के दौरान शनिवार को सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस में सीसीएल के कार्य निष्पादन को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में सीसीएल सीएमडी पीएम प्रसाद, निदेशक तकनीकी (संचालन) वीके श्रीवास्तव, निदेशक (वित्त) एनके अग्रवाल, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) भोला सिंह,

महाप्रबंधक/चेयरमैन, कोल इंडिया के तकनीकी सचिव एमके सिंह, सीएमडी के तकनीकी सचिव एमवी रजिमवाले सहित सीसीएल मुख्यालय के विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे। बैठक के शुभारंभ में सीसीएल सीएमडी पीएम प्रसाद ने अध्यक्ष, कोल इंडिया प्रमोद अग्रवाल का स्वागत किया। **(शेष पेज 9 पर)**

उत्पादन लक्ष्य पाने...

इस दौरान श्री प्रसाद ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कंपनी के कोयला उत्पादन,एमडीओ (माईन डेवलपर एंड ऑपरेटर) मोड संबंधित प्रोजेक्ट, भूमि अधिग्रहण, नये वासरी आदि विषय पर विस्तार से जानकारी दी। श्री प्रसाद ने कहा कि सीसीएल अपने लक्ष्य की ओर सतत अग्रसर है। उन्होंने सभी क्षेत्रों के कोयला उत्पादन एवं अन्य बिन्दुओं पर अध्यक्ष, कोल इंडिया को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सरकार, स्थानीय लोगों एवं सभी स्टेक होल्डर्स का सहयोग कंपनी को मिलता आ रहा है। समीक्षा बैठक में कोल इंडिया अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल ने उपस्थित सभी अधिकारियों को प्रेरित करते हुये आवश्यक दिशा-निर्देश दिया, जिससे कंपनी अपने कोयला उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त कर सके। उन्होंने परियोजना विस्तारीकरण, नये परियोजाओं के उत्पादन क्षमता आदि पर विस्तार से चर्चा किया। इससे पूर्व 20 नवम्बर को अध्यक्ष, कोल इंडिया प्रमोद अग्रवाल ने आम्रपाली-चन्द्रगुप्त, मगध-संघमित्रा का दौरा किया। उन्होंने कोयला उत्पादन, प्रेषण, खदान विस्तार, पर्यावरण मंजूरी एवं भूमि संबंधित मुद्दो पर विस्तार से जानकारी ली एवं आवश्क दिशा-निर्देश भी दिया। इस दौरान उन्होंने पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर सीएमडी पीएम प्रसाद सहित निदेशकगण, महाप्रबंधक (आम्रपाली-चन्द्रगुप्त) एके चौबे, महाप्रबंधक (मगध-संघमित्रा) केके सिन्हा एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

***Date*:** 23-11-20
***Publication*:** The Pioneer
***Edition*:** Ranchi

CIL Chairman holds review meeting with CCL officials

CIL Chairman Pramod Agrawal, CCL CMD PM Prasad alongwith senior officials during a meeting in Ranchi on Saturday Pioneer photo

PNS ■ RANCHI

Chairman-cum-Managing Director, Coal India Limited (CIL) Pramod Agrawal held a performance review meeting regarding the coal production and other related issues with officials of Central Coalfields Limited (CCL) at CCL Headquarters in Ranchi on Saturday.

Agrawal took stock of coal production of all areas, status of Mine Developer and Operator (MDO) projects, upcoming washeries and others. He issued necessary directives so that CCL can achieve its annual target of coal production and create appropriate infrastructure for mining activities in coming years. He also instructed to expedite procurement of machines so that these machines are utilized in the mining activities. Prior to it, CMD, CCL, PM Prasad extended a warm welcome to Agrawal before the onset of the meeting.

Prasad briefed him on coal production performance report of all areas including Amrapali-Chandragupta, Magadh-Sanghmita and Piparwar. He also briefed about the Mine Developer and Operator (MDO) project of opencast mine of Kotre-Basantpur-Pachmo, upcoming washeries and other issues related with land and revenue etc.

On Friday, Agrawal had visited Amrapali Open-cast Mine of Amrapali-Chandragupta Area and Magadh Open-cast Mine of Magadh-Sanghmitra Area in Chatra district.

He also discussed the local issues including coal production, dispatch, mine expansions, forest clearance and others. On this occasion, CMD, Prasad and Directors were present and they briefed about the mining activities. GM, (Amrapali-Chandragupta Area), AK Choubey, GM (Magadh-Sanghmitra Area), KK Sinha and other officials were also present.

CMD, CCL PM Prasad, Director (Technical/Opration) V K Srivastava, Director (Project and Planning), Bhola Singh, Director (Finance), NK Agarwal, GM/TS to Chairman(CIL), MK Singh, GM/TS to CMD (CCL), MV Rajimwale, GMs/HODs from headquarters were present during the meeting. The protocol of Covid-19 issued by the Government was also adhered during the meeting.